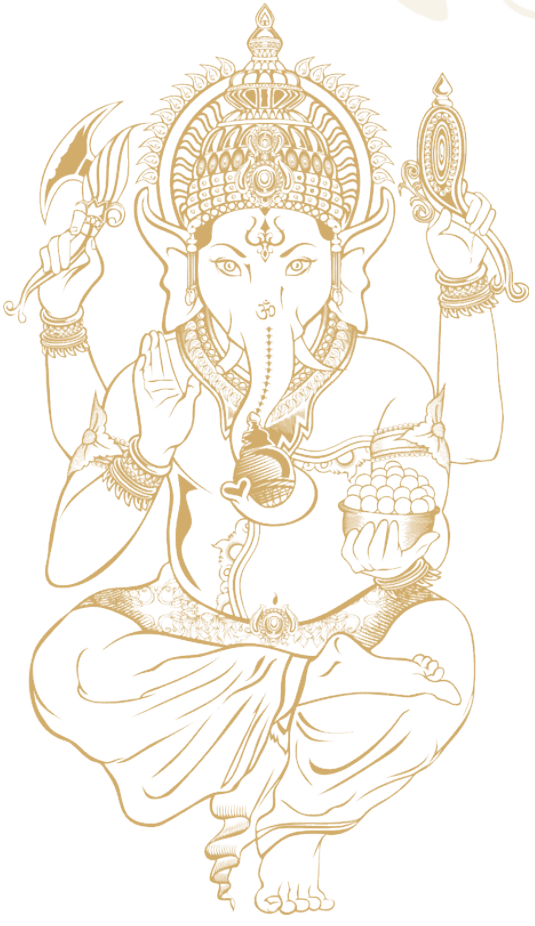

Devank

Shivani jabalpur

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121724707

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21/07/1992	जन्म तिथि	09/11/1992
मंगलवार	दिन	सोमवार
घंटे 23:24:00	जन्म समय	17:35:50 घंटे
घटी 43:36:26	जन्म समय(घटी)	26:49:08 घटी
India	देश	India
Jodhpur	स्थान	Jabalpur
26:18:00 उत्तर	अक्षांश	23:10:00 उत्तर
73:08:00 पूर्व	रेखांश	79:57:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:37:28	स्थानिक संस्कार	-00:10:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:57:25	सूर्योदय	06:20:21
19:29:56	सूर्यास्त	17:27:42
23:45:29	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:42

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 10वर्ष 4मा 18दि		21:55:25	मीन	लग्न	मेष	26:57:28	केतु 0वर्ष 1मा 26दि	
शुक्र		05:26:12	कर्क	सूर्य	तुला	23:35:14	चन्द्र	
09/12/2009		21:51:24	मीन	चंद्र	मेष	13:02:05	06/01/2019	
09/12/2029		02:46:52	वृष	मंगल	कर्क	01:28:49	06/01/2029	
शुक्र	09/04/2013	23:35:52	कर्क व	बुध	वृश्चि	14:21:41	चन्द्र	06/11/2019
सूर्य	09/04/2014	19:27:17	सिंह	गुरु	कन्या	12:15:12	मंगल	06/06/2020
चन्द्र	09/12/2015	15:54:55	कर्क	शुक्र	धनु	01:23:17	राहु	06/12/2021
मंगल	07/02/2017	22:35:49	मक व	शनि	मक	18:33:42	गुरु	07/04/2023
राहु	08/02/2020	06:31:32	धनु व	राहु व	वृश्चि	28:05:09	शनि	06/11/2024
गुरु	09/10/2022	06:31:32	मिथु व	केतु व	वृष	28:05:09	बुध	07/04/2026
शनि	09/12/2025	21:43:24	धनु व	हर्ष	धनु	21:13:15	केतु	06/11/2026
बुध	08/10/2028	23:29:15	धनु व	नेप	धनु	22:55:07	शुक्र	07/07/2028
केतु	09/12/2029	26:24:49	तुला व	प्लूटो	तुला	28:53:07	सूर्य	06/01/2029

लग्न-चलित

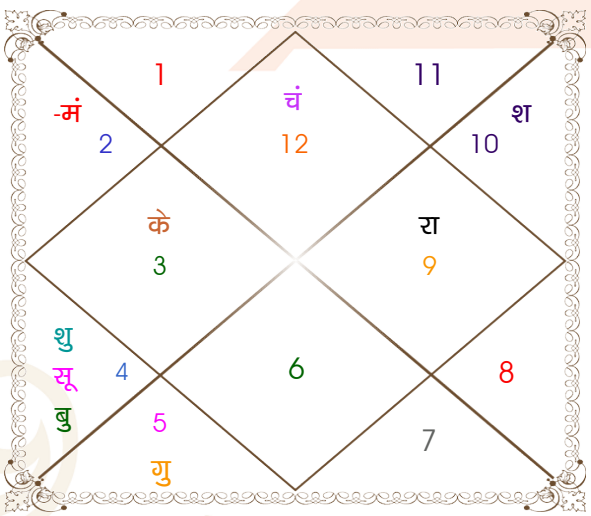

लग्न-चलित

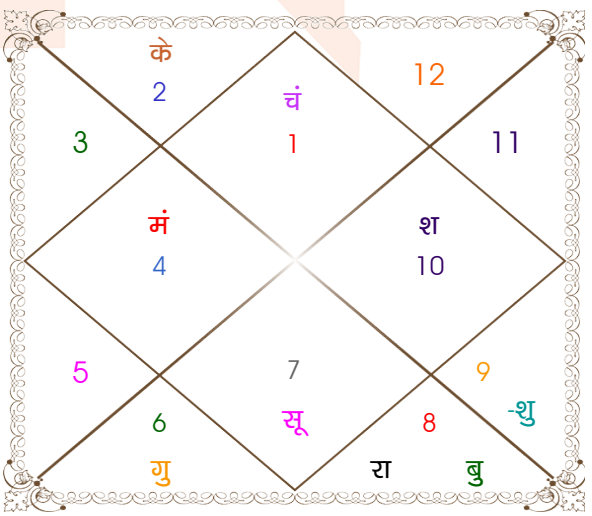

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

क्मअंदा का वर्ग सर्प है तथा ौपअंदप रंइंसचनत का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार क्मअंदा और ौपअंदप रंइंसचनत का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

क्मअंदा मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

ौपअंदप रंइंसचनत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ौपअंदप रंइंसचनत कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ौपअंदप रंइंसचनत कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि क्मअंदा कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

क्मअंदा तथाौपअंदप रंइंसचनत में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।